M.A. - II (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) Semester - III

MAPPCBCS301 - Anguttarnikay Va Pali Kavya

P. Pages : 5 **GUG/S/23/10446**

Time : Three Hours * 0 8 2 7 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यमें उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एवं मे सुतं। एकं समयं भगवा सावत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि - भिक्खवो' ति। 'भदन्ते' ति ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसुं। भगवा एतदवोच - मेत्तायं भिक्खवे, चेतोविमुत्तिया आसेवित्ताय भाविताय बहुलीकतायं यानीकताय वत्थुकताय अनुट्ठिताय परिचिताय सुसमारध्दाय अट्ठानिसंसा पाटिकङ्खा। कतमें अट्ठ? सुखं सुपति, सुखं पटिबुज्झति, न पापक सुपिमंपस्सति मनुस्सानं पिठ्यो होति, अमनुस्सानं पियो होति, देवता रक्खन्ति नास्स आग्गे वा विसं वा सत्थं वा कमति, उत्तरि अप्पटिविज्झन्तो ब्रह्मलोकूपगो होति। मेत्ताय, भिक्खवे, चेतोविमुत्तिया, आसेविताय भाविताय बहुलिकताय यानिकताय वत्थुकताय अनुट्ठिताय परिचिताय सुसमारध्दाय इमे अट्ठानिसंसा परिकङखा ति।

किंवा / अथवा

अथ खो वेस्सवण्णो महाराज - सेय्यथापि नाम बलवा पुरिसो सम्मिज्जित वा वाहं पसारिय्य, पसारितं वा वाहं सम्मिञ्जेय्य, एवमेव महिसवत्थुस्मिं सङ्खेय्यके पब्बते वटजालिकायं अन्तरहितो देवेसु तावतिंतेसेसु पातुरहोसि। अथ खो वेस्सवणो महाराज येन सक्को देवानमिन्दो तेनुपसङखमि, उपसङकमित्वा सक्कं देवानमिन्दं एतदवोच - 'यग्घे मारिस जानेय्यासि एसो आयस्मा उत्तरो महिसवत्थुस्मिं सङ्खेय्यके पब्बते वटजालिकायं भिक्खूनं एवं धम्मं देसेति - साधावुसो भिक्खु कालेन कालं अत्तविपत्ति पच्चवेक्खिता होति।

ब) नन्द सुत्ताचा सारांश सांगा. **6**
नन्द सुत्त का सार बताईए।

किंवा / अथवा

देवदत्तविपत्तिसुत्तां विषयी माहिती लिहा.
देवदत्तविपत्ति सुत्त के संबंध में जानकारी लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एवं मे सुत्तं एकं समयं भगवा सावत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि - 'सचे भिक्खवे, अञ्ञातित्थिया परिब्बाजका एवं पुच्छेय्युं - सम्बोधि पक्खिकानं आवुसो, धम्मानं का उपनिसा भावनाथा 'ति एव पुट्ठा तुम्हे भिक्खवे, तेसं अञ्ञतित्थियानं परिब्बाजकानं किन्ति ब्याकरेय्याथा' ति? भगवामूलका नो, भन्ते, धम्मा भगवतो सुत्वा भिक्खू धारेस्सन्ति' ति। तेन हि, भिक्खवे, सुग्गाथ साधुकं मनसि करोय भासिस्सामो" ति। एवं भन्ते ' ति खो ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसुं। भगवा एतदवोच - सचे भिक्खवे, अञ्ञातित्थिया परिब्बाजका एवं पुच्छेय्युं सम्बोधिपक्खिकानं आवुसो, धम्मानं का उपनिसा भावनाया ' ति एवं पुट्ठा तुम्हे भिक्खवे तेसं अञ्ञातित्थियानं परिब्बाजकानं एवं ब्याकरेद्वाय-

किंवा / अथवा

एकं समयं भगवा राजगहे विहरति गिज्झकूटे पब्बते। अथ खो सुतवा परिब्बाजको येन भगवा तेनुपसङकमि, उपसङकमित्वा भगवता सध्दिं सम्मोदि। सम्मोदनीयं कथं सारणीयं वीतिसारेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो सुतवा परिब्बाजको भगवन्तं एतदवोचं - एकमिदाहं, भन्ते, समयं भगवा इधेव राजगहे विहरामि गिरिब्बजे। तत्र मे, भन्ते, भगवतों सम्मुखा सुत्तं सम्मुखा पटिग्गहितं - यो सो सुतवा भिक्खु अरहं खीणासवों वुसितवा कतकरणीयो ओहितभारो अनुप्पत्तसदत्थो परिक्खिण भवसंयोजनों सम्मदञ्ञाविमुत्तो, अभब्बो सो पञ्च ठानानि अज्झाचरितुं अभब्बो खीणासवो भिक्खु सञ्चिच्च पाणं जीविता वोरोपेतुं अभब्बो खीणासवो भिक्खुं अदिन्नं थेय्यासङ्खात आदातुं -

ब) नन्दसुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
नन्दसुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

सज्झोसुत्ताचा सारांश लिहा.
सज्झोसुत्त का सार लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

वुत्तं हेत्त भगवता वुत्तमरहता ति मे सुतं - द्वे मे, भिक्खवे, धम्मा अतपनीया। कतमे द्वे? इधं भिक्खवे, एकच्चो कतकल्याणो होति कतकुसलो कतभीरुताणो अकतपापो अकतलुद्दो अकतकिब्बिखो सो कतं मे कल्याण" तिं पि न तप्पति 'अकतं' मे पापं ' ति पि न तप्पति। इमे खो, भिक्खवे, द्वे धम्मा अतपनीया' ति। एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेत इति वुच्चति -
"कायादुच्चरितं हित्वा, वचीदुच्चरितानि च।
मनोकच्चरितं हित्वा, यञ्चञ्ञं दोससञ्हितं॥"

किंवा / अथवा

वुत्तं हेतं भगवता, वुत्तमरहता ति मे सुतं - अनातापी भिक्खवे भिक्खु अनोतापी अभब्बो सम्बोधाय अभब्बो निब्बानाय अभब्बो अनुत्तरस्स योगक्खेमस्स अधिगमाय आतापि च खो, भिक्खवे, भिक्खु ओत्तापि, भब्बो सम्बोधाय भब्बो निब्बाणाय भब्बो अनुत्तरस्स योगक्खेमस्स अभिगमाय ति। एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेत इति वुच्चति-

"अनातापि अनोत्तापि कुसीतो हीनवीरियो।
यो धीनमिध्दबहुलो, अहिरीको अनादरो
अभब्बो तादिसो भिक्खु, फुट्ठं सम्बोधिमुत्तमं॥"

ब) पठमसील सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
पठमसील सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

सोमनस्स सुत्ताचा सारांश लिहा.
सोमनस्स सुत्त का सार लिखिए।

4. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) कालेन गच्छे गरुनं सकासं। यंभं निरंकत्वा निवातवुति
अत्थं धम्मं संयमं ब्रह्मचरियं। अनुस्सरे चेव समाचारे च॥

2) धम्मारामो धम्मरतो। धम्मे ठितो धम्म विनिच्छयञ्ञू।
नेवाचरे धम्मसन्दोश्नवांद। तच्छेहि निथेथ सुभत्तसितेहि॥

3) हस्संजप्पं परिदेवं पदोसं। मायाक कुहनं गिध्दोमानं।
सारम्भ कवकस्स कसाव मुच्छ। ठित्वा चरे वीतमदो ठितत्तो॥

4) विञ्ञातसाराणि सुभासितानि। सुतं च विञ्ञातं समाधिसारं।
न तस्स पञ्ञा च सुत्तं च वडढति। यो सालसो होति नरो पमत्तो॥

किंवा / अथवा

1) कच्चि अभिण्हसंवासा नावजानासि पण्डितं।
उक्काधारो मनुस्सानं कच्चि अपचितो तया॥

2) नाहं अभिण्हसंवासा अवजानामि पण्डितं।
उक्कधारो मनुस्सानं निच्चं अपचितो मया॥

3) पंचकामगुणे हित्वा पियरुपें मनोरमे।
सध्दाय धरा निक्खम्म दुक्खस्स अन्तकरो भव॥

4) भित्ते भजस्सु कल्याणोपन्तं च सथानासनं।
विवित्तं अप्पनिग्धोसं मत्तञ्ञू होहि भोवाने॥

ब) धनिक सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
धनिक सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

"समाधि ही विद्या आणि ज्ञानाचे सार आहे" स्पष्ट करा.
"समाधि विद्या और ज्ञान का सार है।" स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपा लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए। **कोई भी दो।**

1) अगुंत्तरनिकाय 2) इतिवृत्तक

3) सुत्तनिपात 4) नवकनिपातो

ब) पर्यायी उत्तरे लिहा. **10**
पर्यायी उत्तर लिखिए।

1) पंधरा स्वतंत्र्य ग्रंथाचा संग्रह समूह ग्रंथ.
पंधरा स्वतंत्र्य ग्रंथो का संग्रहीत ग्रंथ।
अ) खुद्दकनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) अंगुत्तरनिकाय ड) इतिवृत्तक

2) बौध्दांच्या अनुपिटक साहित्याला म्हणतात.
बौध्दों के अनुपिटक साहित्य को कहते है।
अ) पिटक ग्रंथ ब) पिटकेत्तर साहित्य
क) तिपिटक ड) बुध्दवंस

3) अंगुत्तरनिकाय ग्रंथ कुठे येतो.
अंगुत्तरनिकाय ग्रंथ कहाँ आता है।
अ) सुत्तपिटक ब) पिटकेत्तर
क) अनुपिटक ड) तिपिटक

4) इतिवृत्तक ग्रंथातील सुत्तं संख्या सांगा.
इतिवृत्तक ग्रंथ की सुत्तं संख्या बताईए।
अ) 112 ब) 110
क) 108 ड) 105

5) राहुल सुत्तं कुठे येते.
राहुल सुत्तं कहाँ आता है।
अ) इतिवृत्तक ब) धम्मपद
क) सुत्तनिपात ड) अंगुत्तरनिकाय

6) सम्बोधिसुत्तं कुठे येते.
सम्बोधि सुत्तं कहाँ आता है।
अ) इतिवृत्तक ब) सुत्तनिपात
क) नवकनिपात ड) धम्मपद

7) अट्ठ विषयांशी संबंधीत निपात हा आहे.
आठ विषयों से संबंधीत निपात यह है।
अ) अट्ठकनिपात ब) अट्ठकवग्ग
क) अट्ठकथा ड) अट्ठारस

8) सुत्तनिपात ग्रंथात किती वग्ग आहेत.
सुत्तनिपात ग्रंथ में कितने वग्ग है।
अ) तीन ब) चार
क) पाच ड) सहा

9) तिपिटक ग्रंथ हा.
तिपिटक ग्रंथ यह।
अ) धम्मग्रंथ ब) पुजाग्रंथ
क) आत्मचरित्रग्रंथ ड) ललितग्रंथ

10) नवकनिपातात किती विषयांचा समावेश होतो.
नवकनिपात में कितने विषयों का समावेश है।
अ) नव ब) अट्ठ
क) पञ्च ड) छ

****